॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

३५३

सर्वागमोत्तमोत्तम महारहस्यमय उर्ध्वाम्नाय

कुलार्णवतन्त्रम्

'नीरक्षीरविवेक'-भाषाभाष्यसमन्वितम्

व्याख्याकार

डा. परमहंस मिश्र

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

वाराणसी

श्रीकुलार्णवतन्त्रम्

विषयानुक्रमः

प्रथम उल्लास

जीवजातिस्थिति

द्वितीय उल्लास

कुलधर्ममाहात्म्य

तृतीय उल्लास

ऊर्ध्वाम्नाय और श्रीप्रासाद परामन्त्र महत्त्व

चतुर्थ उल्लास

श्रीप्रासादपरामन्त्रविज्ञान

पञ्चम उल्लास

कुलद्रव्यदर्शन

षष्ठ उल्लास

द्रव्यसंस्कार

सप्तम उल्लास

बटुकशक्त्यादि पूजन

अष्टम उल्लास

तत्त्वत्रयादि भेद

नवम उल्लास

योगसंस्थापन

दशम उल्लास

विशेषदिवसार्चन

एकादश उल्लास

कुलाचार क्रम

द्वादश उल्लास

पादुका भक्ति

त्रयोदश उल्लास

गुरुशिष्यलक्षण

चतुर्दश उल्लास
गुरु-शिष्यपरीक्षा

पञ्चदश उल्लास

पुरश्चरणादि

षोडशउल्लास

काम्यकर्मविधान

सप्तदश उल्लास

गुरुनामादिवासना

❖